

# साबुण कौई आथ दोणौ ज़ौर्ही केलाइ





# साबुण कौड़ आथ दोणौ ज़ौरूरी केलाइ

Bangani  
uttarkashi, uttrakhand, india

For permission to reuse, contact the copyright holder.

Big book in Bangani language  
Community based Book

प्रकाशण:-  
NLCI  
बंगाणी मसी समिति समू

## दो बात

यह किताब बंगाणी भाषा में बनायी गयी है। इस किताब में एक कहानी है जिसे 10-12 पेजों में बनाया गया है और हर पेज में लगभग 2-3 वाक्य है। इस किताब में हर एक वाक्य के अनुसार चित्र भी डाला गया है। इन चित्रों के आधार से पढ़ने वाला कहानी बता सकता है और पढ़ाने वाला कहानी सुना सकता है। इस पुस्तक का उपयोग साक्षरता कार्यक्रम में किया जाता है। यह किताब बढ़े ही आसान और बहुत ही कम शब्दों में और बहुत सरल रीति से बनायी गयी है। ताकि जो लोग पढ़ने की शुरूआती स्तर में हैं वह आसानी से इस कहानी को अपनी अपनी मातृ-भाषा में पढ़के आसानी से समझ सकें और अपनी मातृ-भाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास कर सकें।

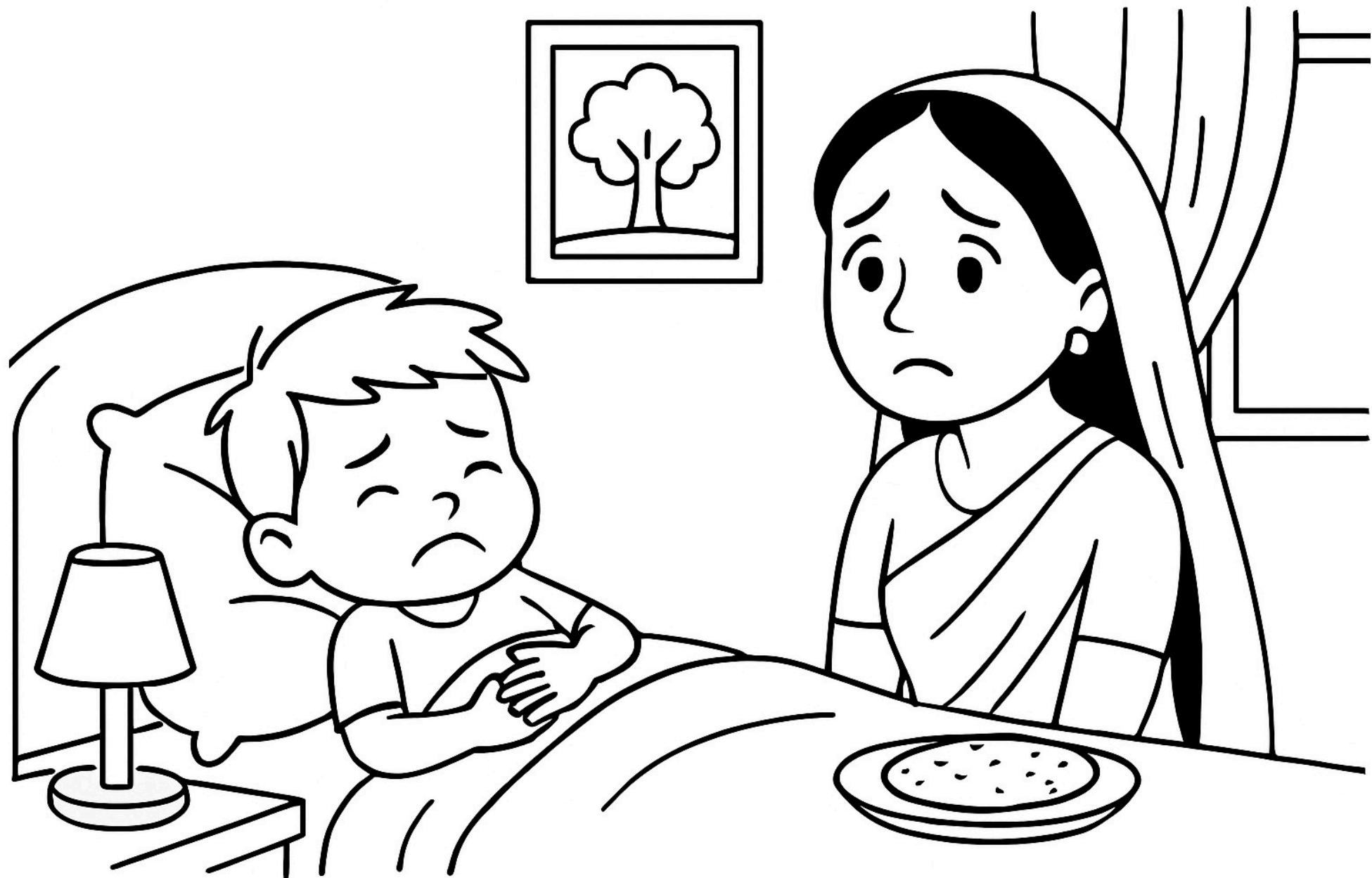
॥धन्यवाद ॥



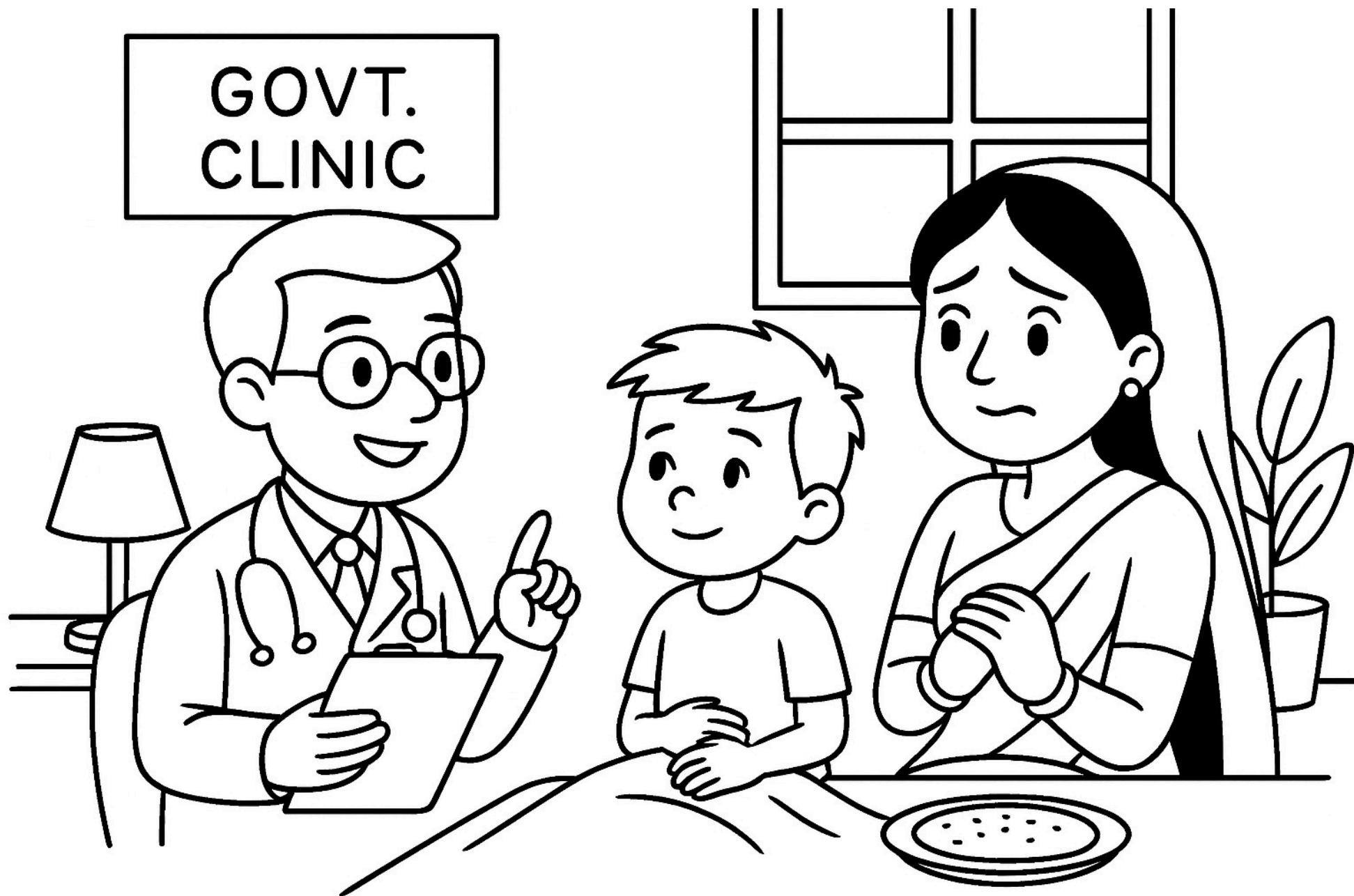
एक गाउँ दि सोनू आपडै आमा पापा  
रै साथै रायै थौ। सोनू हर रोज़  
डोखरेदि खेलदै डै थौ, सेउ वापस  
आइयौ सीदौ खाणौ खान्दै बोशै थौ।



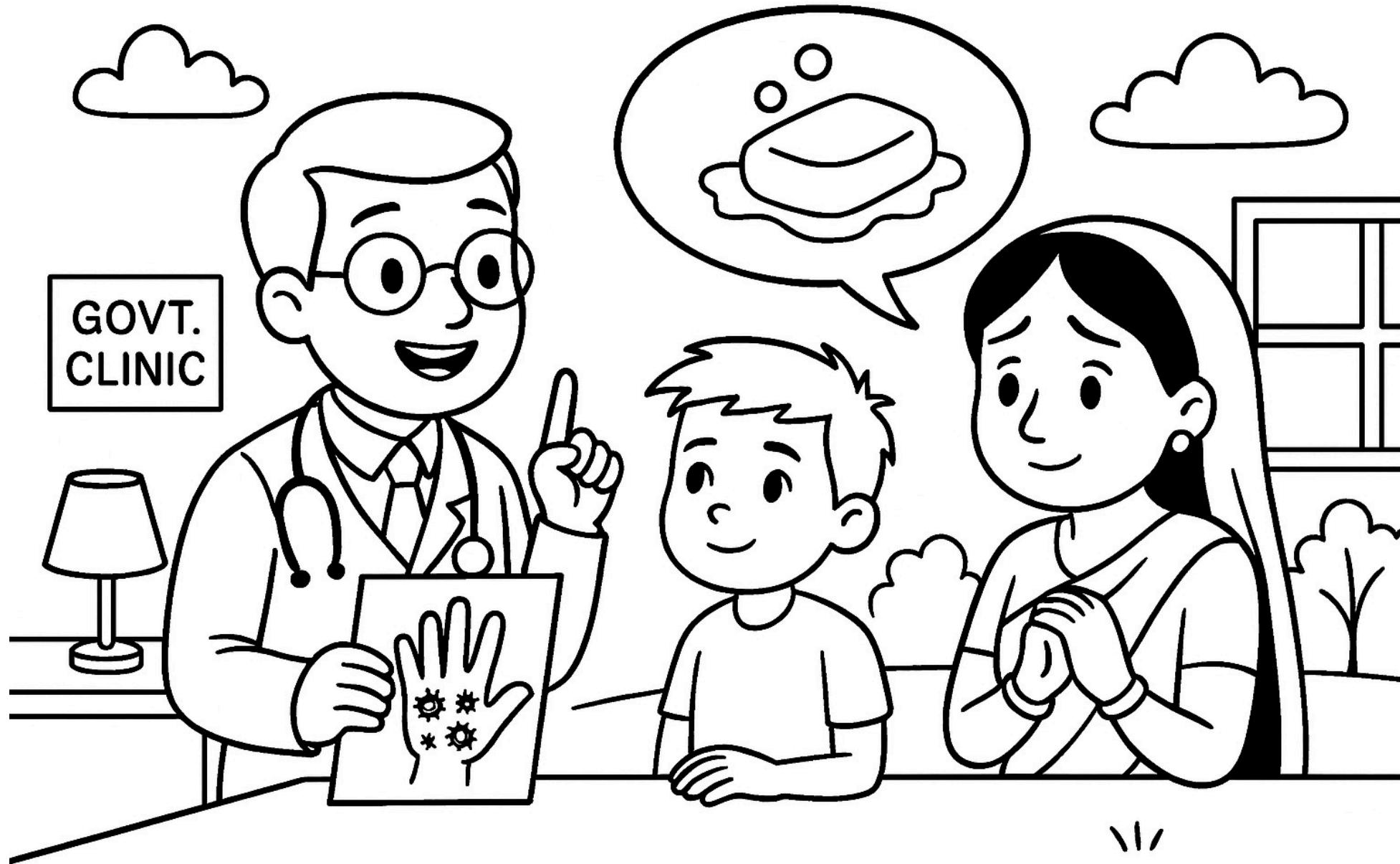
ਸੋਨ੍ਹ ਸਾਬੁਣ ਕੌਇ ਆਥ ਨਾ ਦੋਯੈ ਥੈ।  
ਮੀਨਾ ਬੀ ਕੇਤ੍ਰਾ ਕੇਤ੍ਰਾ ਸੌਕਾਲ਼ੀ ਰੀ ਬੌਜੈ  
ਕੌਇ ਪੋਲ ਬਿਸਰੈ ਥੀ, ਤੇਸਾਰੀ ਸਾਬੁਣ  
ਕੌਇ ਆਥ ਦੋਣੇ ਖੀ।



एक दूस सोनूइ दौस्त लागै । दौस्त रौ  
बौजै कौइ सेउ काफी कमज़ोर उइ  
गोआौ थौ । मीना बी डौरी मौरी तियै  
सेउ औस्पताल दि गिणौ ।

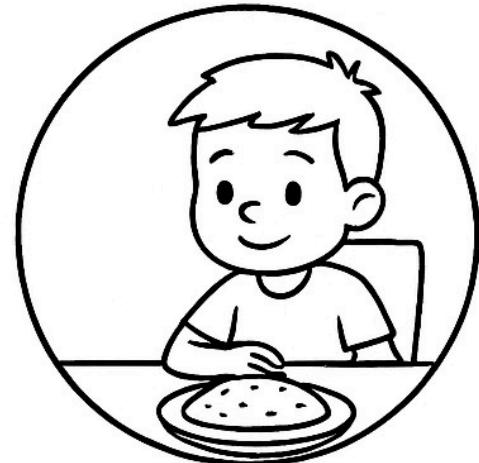


डॉक्टरेझ मीना कौइ पुछ्हो कि एउ  
खाणौ खाणै कौइ औगौणिकै साबुण  
कौइ आथ दोऐ? मीनाइ बोलौ साबुण  
कौइ तै ना दो-दौ पर पाणी कौइ  
एशौइ दौऐ ।



तैवै डॉक्टर सै सौमज्ञाइ कि गांन्दै  
आथु कौइ कीटाणु आमारे पेटे दि  
डैण। एजि बैजै कौइ साबुण कौइ  
आथ दोणौ बौरी जौरुरी औये।

# हाथ धोने के 5 महत्त्वपूर्ण अवसर



खाना खाने से पहले



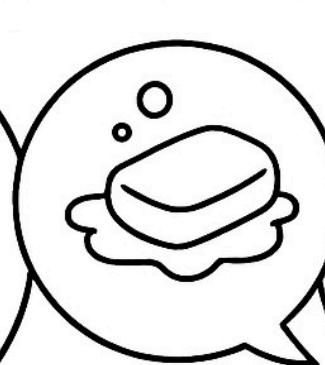
खाँसने या शीकने के बाद



बाहर से आने के बाद



शौचालयके उपयोग के बाद



बच्चे को संभालने से पहले और बाद में

डॉक्टरेझ बोलौ कि आमु खाणौ खाणै  
कौइ औगौणिके, शौच कौरणै बासियै,  
खाणौ चाणनै कौइ औगौणिके, बाझरौ  
कौइ बित्रै आणे दि, औज़ि पेटाराउँ  
छुणै कौइ औगौणिके साबुण कौइ  
आथ दोणै चाइं ।



तैबै मीनाइ बोलौ कि आमैं एत्रा कौइ  
सौदाइं साकुण कौइ आथ दोइण । तैबै  
तियै आथ दोणे री ज़ागा दि एक  
साकुण थौ ताकि गौरे रे सारे लोग  
साकुण कौइ आथ दौऐ लै ।



तैवै सोनूइ बी एशौ शिकी गोओ थौ  
कि साबुण कौइ आथ दोणौ बौरी  
जौरुरी ओयै। ओज़ि तिणी एसरै बारेदि  
आपड़े दोस्तु आरी बी बोलौ कि आमु  
साबुण कौइ आथ दोणौ चाइं।



एक दूस इस्कूले दि बी पेटारौडँ एक  
नाटक कियौ। तिउँ साबुण वाळौ  
आथ, औज़ि बिमारिउँ कौइ आराम रै  
बारे दि नाटक कियौ, औज़ि एस  
नाटक दि सोनू बी थौ।

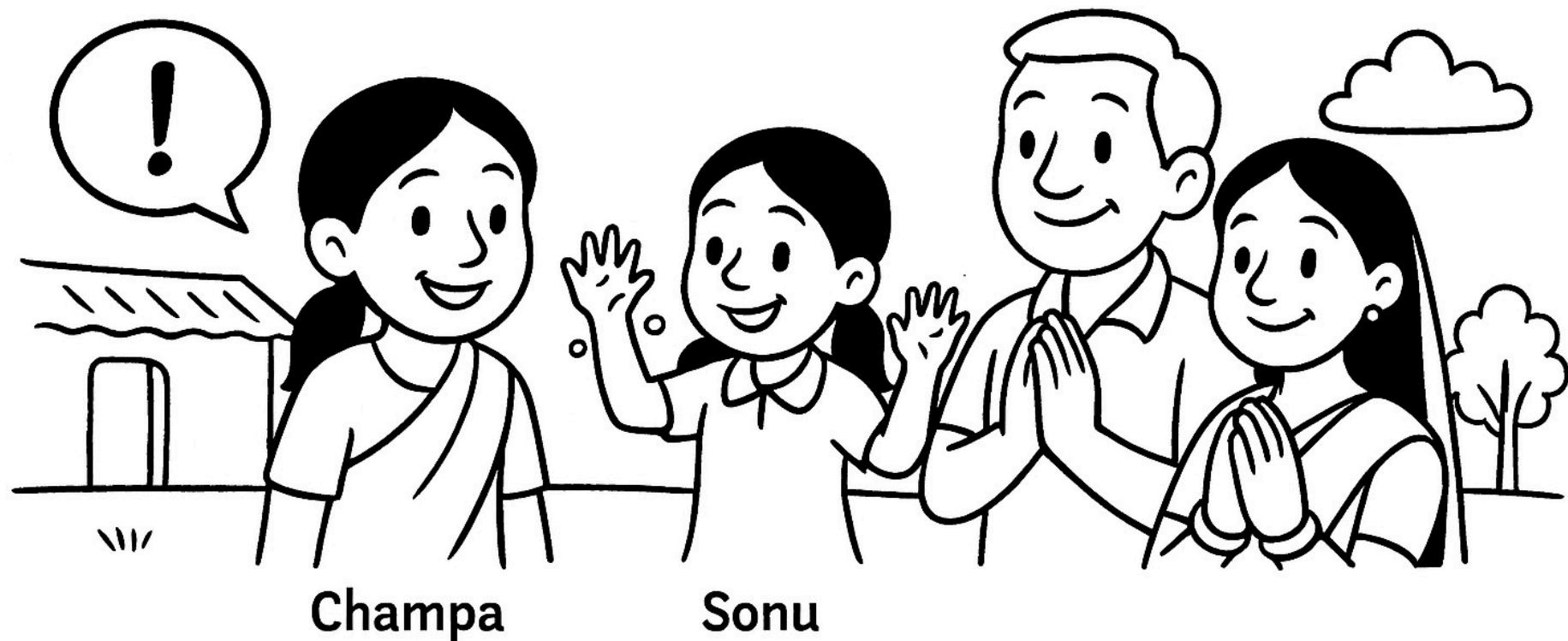


ਇਸਕੁਲੇ ਦਿ ਗਾਉਂ ਰੈ ਲੋਗੁ ਨਾਟਕ ਦੇਖਿਯਾ  
ਸੋਚ ਦਿ ਪੈਡੀ ਗੋਯੈ । ਏਜ਼ਿ ਬੈਜ਼ੇ ਕੌਇ  
ਗਾਉਂ ਰੈ ਸਾਰੈ ਲੋਗੁ ਆਪੜੈ ਆਪੜੈ ਗੈਰੇਦਿ  
ਆਥ ਦੋਣੇ ਰੀ ਜਾਗਾ ਦਿ ਸਾਕੁਣ ਥੈਨਦੈ  
ਲਾਗੈ ।



एज़ि बौजै कौइ गाउँ रै पेटारै बी कम  
बीमार उन्दै लागै। सारै लोग आपड़ै  
आथु औज़ि शौरीरेइ बी साफ थौन्दै  
लागै, जेसकौइ सारै जौणै आपड़ी  
ज़िन्दगी बौड़िया कोइ ज़िन्दै लागै।

# **SIRF PAANI NAHIN, SABUN ZAROORI HA!**



एज़ि कांडणी कौइ आम्के एशी शिक  
मिलै कि आमुं हर रोज़ सावुण कौइ  
आथ दोणै चाइं, खाली पाणी ई ना  
बौलिक सावुण वी जौरुरी ।

## For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.



यह किताब NLCI के द्वारा तैयार की गई है।

हम मात्रभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मात्रभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मात्रभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मात्रभाषा में व्यस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मात्रभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मात्रभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

,,,,,,,,,,धन्यवाद,,,,,,,,,,

